श्री सत्यचरण लाहिड़ी पुण्यतिथि पूजा और क्रियायोग दीक्षा कार्यक्रम, वाराणसी, जनवरी 2025

प्रियजन,
'सत्यलोक', वाराणसी स्थित लाहिड़ी पारिवारिक मंदिर में जनवरी 2025 की श्री सत्यचरण लाहिड़ी पुण्यतिथि पूजा और क्रियायोग दीक्षा का कार्यक्रम गुरुदेव श्री उज्ज्वल लाहिड़ी द्वारा सम्पन्न होगा।

वंश-परंपरा की त्रिदिवसीय क्रियायोग दीक्षा एक गहन प्रक्रिया है जिसमें क्रियायोग के तीनों आयामों – 1) **स्वाध्याय** - स्वाध्याय की वाणी, 2) **तप** - क्रिया दीक्षा और 3) **ईश्वरप्रणिधान** अर्थात् अखंड सचेतनता और अष्टांग-योग यानी कि योग-जीवन के आठ आयामों को विस्तृत रूप से साझा किया जाता है।

कार्यक्रम निम्नलिखित है:

दिवस	तिथि	समय	कार्यक्रम	टिप्पणी
दिवस 1	19 जनवरी 2025, रविवार	संध्या 6:30 बजे से	दीक्षा पूर्व स्वाध्याय की वाणी	केवल नये दीक्षार्थी और पुराने क्रियावानों के लिए
दिवस 2	20 जनवरी 2025 सोमवार	सुबह 9:00 से संध्या 6:00 बजे तक	क्रिया-दीक्षा (तप)	केवल नये दीक्षार्थी और पुराने क्रियावानों के लिए
दिवस 3	21 जनवरी 2025, मंगलवार	सुबह 9:00 से संध्या 6:00 बजे तक	क्रिया पुनरावलोकन (ईश्वरप्रणिधान)	केवल नये दीक्षार्थी और पुराने क्रियावानों के लिए
दिवस 4	22 जनवरी 2025, बुधवार	सुबह 9:30 बजे से	गुरुपूजा तत्पश्चात् पुष्पांजलि एवं भंडारा प्रसाद (भोजन)	सभी आमंत्रित

इस संदर्भ में निम्नलिखित सूचनाओं पर ध्यान दें :–

1) बाहर से आनेवाले सभी दीक्षार्थियों से निवेदन है कि उपर्युक्त कार्यक्रम के आलोक में वे अपनी यात्रा की योजना इस प्रकार बनायें कि 19 जनवरी 2025, रविवार के दोपहर तक वाराणसी अवश्य पहुँच जाएँ और 21 जनवरी 2025, मंगलवार की संध्या 06:00 के पश्चात् ही वाराणसी से प्रस्थान करें।

2) सभी दीक्षार्थियों के लिए 19 जनवरी 2025 के 'स्वाध्याय की वाणी' कार्यक्रम में उपस्थिति आवश्यक है। किसी भी कारण से यदि कोई दीक्षार्थी 'स्वाध्याय की वाणी' कार्यक्रम में भाग नहीं ले पाता है तो उसे क्रियादीक्षा में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। कृपया 19 जनवरी 2025 को संध्या 5:00 बजे तक सत्यलोक अवश्य पहुंच जाएं और वहां उपस्थिति संबंधी प्रभारी व्यक्ति से मिलकर अपनी उपस्थिति की पुष्टि करा लें।

3) दीक्षा कार्यक्रम के दौरान अर्थात् 19 से 21 जनवरी 2025 तक अपने ठहरने की व्यवस्था दीक्षार्थी को स्वयं करनी होगी। इस संबंध में सुझाव है कि दीक्षार्थी अपने ठहरने की व्यवस्था दशाश्वमेध घाट, चौषट्टी घाट, चौषट्टी देवी मंदिर आदि के आसपास करें ताकि निकट होने से 'सत्यलोक' आने-जाने में सुविधा हो।

4) कार्यक्रम में भाग लेनेवाले सभी लोगों के लिए सत्यलोक मंदिर का भंडारा प्रसाद (दिन एवं रात्रि का भोजन) निःशुल्क उपलब्ध होगा। भंडारा 19 जनवरी के रात्रि भोजन से प्रारंभ होकर 22 जनवरी 2025 के रात्रि भोजन तक चलेगा।

5) यदि कोई दीक्षार्थी पहले दिन, दूसरे दिन एवं तीसरे दिन के उपर्युक्त कार्यक्रमों के किसी भी भाग में हिस्सा नहीं ले पाता है तब उसकी दीक्षा पूर्ण नहीं मानी जाएगी और इसीलिए मंदिर के दीक्षित लोगों के रजिस्टर में उसका नाम नहीं चढ़ाया जाएगा।

6) उपलब्ध समय में अधिकतम लोगों तक बात पहुँचाने हेतु दीक्षा संबंधी सभी कार्यक्रम केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में संचालित होंगे।

7) दीक्षा कार्यक्रम में नए दीक्षार्थियों के अतिरिक्त केवल वंश-परंपरा में दीक्षित पुराने क्रियावान भाग ले सकते हैं।

8) सभी दीक्षार्थियों से निवेदन है कि 'सत्यलोक' आने के पूर्व कृपया ई-मेल भेज कर क्रियायोग दीक्षा के लिए अपना पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) अवश्य करा लें। उसके लिए कृपया अपना पूरा नाम, उम्र, संपर्क-पता, फोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, ईमेल पता तथा यात्रा के प्रमाण (अर्थात् वाराणसी आने एवं वहां से जाने की यात्रा टिकट की कॉपी) के साथ जनवरी 2025 के उक्त क्रियायोग दीक्षा कार्यक्रम में दीक्षार्थी के रूप में भाग लेने हेतु एक निवेदन लिखकर **satyalokinitiation@gmail.com** पर ईमेल भेज दें।

9) पंजीकरण की पुष्टि (कन्फर्मेशन) का ईमेल दीक्षार्थी के ईमेल प्राप्ति के 10 दिनों के अंदर "प्रथम आओ प्रथम पाओ" के आधार पर केवल उन्हें भेजा जाएगा जिन्होंने पंजीकरण हेतु भेजे जानेवाले ईमेल के साथ ही अपनी यात्रा का प्रमाण (अर्थात् वाराणसी आने एवं वहां से जाने की यात्रा टिकट की कॉपी) भी भेजा है।

10) पंजीकरण हेतु भेजे जानेवाले ईमेल के साथ यात्रा का प्रमाण नहीं प्राप्त होने पर और पंजीकरण बंद किए जाने की तिथि के बाद ईमेल प्राप्त होने पर, उत्तर नहीं दिया जाएगा।

नोट -- दीक्षा हेतु पहले से ऑनलाइन पंजीकरण कराना आवश्यक है। अतः बिना पूर्व पंजीकरण के दीक्षा हेतु सीधे 'सत्यलोक' आने वालों को दीक्षा में भाग लेने की अनुमति तभी दी जाएगी जब पहले से ऑनलाइन पंजीकृत लोगों के बैठने की व्यवस्था के बाद भी स्थान रिक्त रहेगा। दीक्षा की अनुमति मिलने पर ऐसे लोगों को भी प्रथम दिन के "स्वाध्याय की वाणी" कार्यक्रम में भाग लेना अनिवार्य होगा। उनके द्वारा वाराणसी में ठहरने और यात्रा प्रमाण द्वारा यह सुनिश्चित भी करना होगा कि वे 21 जनवरी तक के सभी कार्यक्रमों में भाग लेंगे और तभी उन्हें "दीक्षा पूर्व स्वाध्याय की वाणी" कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

11) वंश-परंपरा में दीक्षित पुराने क्रियावन जो अपने क्रिया का रिव्यू (पुनरावलोकन) करना चाहते हैं, उनसे निवेदन है कि वे कृष्णन जी / कामाख्या जी को ईमेल/ एस एम एस द्वारा इस संबंध में सूचित करें।

12) यद्यपि दीक्षार्थियों के लिए 22 जनवरी 2025 को होने वाली गुरुपूजा में उपस्थित रहना आवश्यक नहीं है,फिर भी वे गुरुपूजा एवं पुष्पांजलि में भाग लेने हेतु आमंत्रित हैं और उनसे निवेदन है कि वे गुरुपूजा के बाद भंडारा प्रसाद (दोपहर का भोजन) ग्रहण करने के पश्चात् ही वहां से प्रस्थान करें।

किसी भी अन्य जानकारी हेतु कृपया संपर्क करें-
श्री कृष्णन @**77188 98055** (व्हाट्सएप), (भारतीय समय 04:00 से 09:00 अपराह्न तक)
श्री कामाख्या प्रसाद @**94319 35954** (व्हाट्सएप), (भारतीय समय 04:00 से 09:00 अपराह्न तक)

दीक्षा हेतु पंजीकरण केवल ईमेल द्वारा ही स्वीकार होगा। व्हाट्सएप अथवा एस.एम.एस. द्वारा पंजीकरण का निवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जय गुरु !